क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 170, शनिवार, 14 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

यूपी : रायबरेली के भाजपा मंडल अध्यक्ष पर को जानलेवा हमला

रायबरेली (एजेंसी)। भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव लखन राम सुमेर लोधी निवासी पूरे रामबक्स मजरे चक मलिक भिटी रात में निमंत्रण पर गए थे। वह जोहवा नटकी रेलवे क्रासिंग के पास से वापस लौट रहे थे। इस दौरान मार्ग पर दबंगों ने उन्हें रोक कर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले की सूचना मिलते ही सरेनी विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ डलमऊ कोतवाली पहुंच गए और दबंगों पर सख्त कार्रवाई के लिए अड़ गए। जानकारी होने पर एसडीएम जीत लाल सैनी मौके पर पहुंच गए। कार्रवाई का आश्वासन देकर विधायक और कार्यकर्ताओं को शांत कराया।

यूपी : जिस पुल का पीएम को करना है उद्घाटन, वहां सपाइयों ने फीता काट दौड़ाई बाइक

मिर्जापुर (एजेंसी)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकार्पण से पहले ही बड़ी संख्या में सपाईयों ने जिले के चुनार में गंगा नदी पर बने पक्का पुल पर फीता काटकर बाइक से आर-पार की यात्रा की। प्रशासन और पुलिस को इसकी कानोकान भनक तक नहीं लग पायी। खुफिया और एसपीजी को भी सपा की योजना का पता नहीं चल पाया है। पीएम के आने के पहले आयोजन को प्रभावित किया जाना कहीं न कहीं से सुरक्षा में चूक है। इसे लेकर भाजपा और अपना दल एस के नेताओं के साथ ही कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी देखी गई। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 जुलाई को जिले में आ रहे हैं। वह बाणसागर परियोजना,चुनार पक्का पुल का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही राजकीय मेडिकल कालेज, मिर्जापुर इलाहाबाद मार्ग का शिलान्यास भी करेंगे। इसे लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। भाजपा और सहयोगी दल अपना दल एस की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकी गई है। देश और प्रदेश की सारी सुरक्षा एजेंसियों ने यही पर डेरा जमाया है। बावजूद इसके सपा जिलाध्यक्ष आशीष यादव की अगुवायी में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता चुनार में गंगा नदी पर बने पक्का पुल पर पहुंच गए। उन्होंने वहां पहुंचकर पुल पर फीता बांधकर काटा और बाइक से पुल को आर पार करके लौट आए। सपा नेताओं ने कहाकि यह पुल उनकी सरकार के कार्यकाल है। ऐसे में उसके लोकार्पण का अधिकार उनको है। इसलिए उनलोगों ने लोकार्पण कर दिया। सपाईयों के आने के बाद तक प्रशासन को पता नहीं चला। जब सोशल मीडिया पर सपाईयों के आयोजन का वीडियो वायरल हुआ और भाजपा व अपना दल एस के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इसे देखकर नेताओं तक पहुंचा तब खलबली मची। भाजपा के नेताओं ने डीएम और एसपी से इस बारे में पूछताछ की गई तो बताया गया कि कोई लोकार्पण नहीं हुआ है। पुल बना ही लोगों के आवागमन के लिए है तो उस पर आना जाना कोई लोकार्पण नहीं है। फिर भी भाजपा के नेताओं ने कहाकि सपाईयों को ऐसा करने से रोकना तो चाहिए था। पुल पर फीता काटकर यात्रा करने वालों में पूर्व विधायक जगतंबा पटेल, देवी प्रसाद चौधरी,संतोष यादव, बच्चा बाबू यादव, रामलखन यादव, सुरेश यादव, सूर्यबली यादव, रोहित शुक्ला, सुनील कुमार पाण्डेय, अभय यादव, उपेन्द्र तिवारी, नितेश तिवारी, रविन्द्र कुमार, सुशील कुमार पाण्डेय,आशीष दुबे, गुलाम मुस्तफा, विक्रांत उपाध्याय, परवेज भाई,रविशंकर, अब्दुल खालिद, ध्यानचंद, स्वामीशरण दुबे, सुनील सिंह पटेल आदि रहे।

बदमाशों ने खिड़की से हाथ डालकर ट्रेन में बैठी महिलाओं से छीने बैग-जेवर, हुए फरार

शाहजहांपुर (एजेंसी)। शाहजहांपुर में गुरुवार रात डेढ़ बजे गर्रा और रेलवे क्रासिंग संख्या 227 के बीच बदमाशों ने लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को निशाना बनाया। पहले से सवार बदमाश ने चेन खींचकर ट्रेन को रोक लिया। गाड़ी के रुकते ही झाड़ियों से निकले बदमाशों ने खिड़की से हाथ डाल कर स्लीपर कोच में बैठीं महिलाओं के बैग व जेवर लूट लिए और फरार हो गए। बस कंडक्टर से सात लाख का इनामी बने मुन्ना बजरंगी पर बनेगी फिल्म पीड़ितों ने मुरादाबाद जीआरपी पर तहरीर दी है। आईजी जीआरपी ने शुक्रवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। लखनऊ से चलकर चंडीगढ़ जाने वाले 12232 लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस गुरुवार रात 1.11 बजे शाहजहांपुर से बरेली दिशा की ओर रवाना हुई थी।

»» तीन दिन तक स्कूल में रोजाना 45 मिनट तक रोका, गेट पर जड़ा ताला

अब शिक्षकों को बनाया बंधक, मांगा था वेतन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में स्कूल में बच्चों को बंधक बनाए जाने का मामला अभी शांत नहीं हुआ है कि अब एक स्कूल द्वारा शिक्षकों को बंधक बनाने का मामला प्रकाश में आया है।

गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल के शिक्षक बीते दिनों से स्कूल में अपने वेतन मांग कर रहे हैं। इन्हें दो महीने से वेतन नहीं मिला है। उनका आरोप है कि 10 से 12 जुलाई तक रोजाना स्कूल खत्म होने के बाद 45 मिनट तक उन्हें रोककर रखा गया। इस दौरान स्कूल के गेट पर ताला जड़ दिया गया। इससे खफा शिक्षकों ने हंगामा कर हड़ताल कर दी। शिक्षकों ने पुलिस, महिला आयोग व शिक्षा निदेशालय से इस मामले में शिकायत की है।

स्कूल स्टाफ एसोसिएशन ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से भी शिकायत की है। स्कूल की स्टाफ एसोसिएशन ने महिला आयोग, शिक्षा निदेशालय व पुलिस को जो शिकायत दी है। उसमें स्कूल में वेतन मांगने पर स्कूल द्वारा 10 से 12 जुलाई तक रोजाना दोपहर 1.30 बजे से 2.15 बजे तक स्कूल के गेट बंद कर दिए गए और उनको बाहर नहीं जाने दिया गया। कारण यह है कि शिक्षक स्कूल प्रबंधन से बीते दो महीने का वेतन मांग रहें हैं, जो अभी तक नहीं दिया गया। हम लोगों ने पहले भी शिक्षा निदेशालय व उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया से शिकायत की थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्कूल प्रबंधन द्वारा तीन दिनों तक आदेश दिया गया है कि स्कूल का गेट बंद कर दिया जाए। लिहाजा हमने पुलिस को 100 नंबर पर सूचना दी। इस दौरान आये एक पुलिसकर्मी ने गेट कीपर का लिखित बयान भी नहीं लिया। लिहाजा दिल्ली पुलिस से अनुरोध किया गया है कि इस मामले में एफआईआर की जाए। स्कूल के 139 स्टाफ ने

उपमुख्यमंत्री, पुलिस, महिला आयोग से की शिकायतगुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल का मामला

लिखित हस्ताक्षरयुक्त पत्र दिया है। वेतन न दिये जाने के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को शिक्षक पूरे दिन हड़ताल पर रहे।

पहले शिक्षक स्कूल के बाहर बैठे रहे, उसके बाद शिक्षक स्कूल के स्कूल परिसर में धरनारत रहे। उधर स्कूल प्रबंधन के पूर्व चेयरमैन व डीजीएसएमसी के सदस्य कुलवंत सिंह का कहना है कि बंधक बनाने का शिक्षकों का आरोप गलत है। शिक्षा निदेशालय का एक आदेश है जिसके तहत स्कूल बंद होने के बाद कुछ समय तक शिक्षकों को रहना होता है, ताकि बचा हुआ काम कर लें।

इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से स्कूल गेट बंद रहते हैं। उन्होने कहा कि हमने शिक्षकों को कहा थ कि शनिवार को काम कर लें, जिससे उन्हें स्कूल के बाद रुकना नहीं पड़ेगा, लेकिन शिक्षक नहीं माने।

श्री सिंह ने कहा कि जहां तक सैलरी का मामला है, स्कूल में फंड की कमी है, जिसके चलते बीते सात आठ महीने से देर से वेतन दिया जा रहा है।

सोनम मर्डर केसः

गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने वाले तीनों डॉक्टरों को सजा

लखीमपुर-खीरी (एजेंसी)। साल 2011 में निघासन थाने के अंदर हुए सोनम मर्डर केस में गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के आरोपी तीन डॉक्टरों को सीजेएम कोर्ट ने शुक्रवार को सजा सुना दी। सीजेएम सुनील प्रसाद ने इन तीनों डॉक्टरों को तीन-तीन साल की कैद और दस-दस हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। 10 जून 2011 को निघासन कस्बे के अंदर थाने के अंदर 14 साल की किशोरी सोनम की लाश लटकती मिली थी। सोनम के परिवार वालों ने पुलिस वालों पर हत्या का शक जाहिर किया था। 11 जून को डॉक्टरों के पैनल ने सोनम का पोस्टमार्टम किया। जिला अस्पताल में तैनात रहे डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ अरुण कुमार शर्मा, डॉ. एसपी सिंह ने सोनम का पोस्टमार्टम किया था। इसमें मृत्यु का कारण हैंगिंग बताया था। इसके बाद 13 जून को लखनऊ के चार डॉक्टरों की टीम ने सोनम का दोबारा पोस्टमार्टम किया। इसमें गला घोंटकर हत्या किए जाने की बात कही गई। इस रिपोर्ट के बाद शासन ने तीनों डॉक्टरों को निलंबित कर दिया। इस मामले में सीबीसीआईडी के इंस्पेक्टर हरपाल सिंह ने 12 जुलाई 2011 को जिला अस्पताल लखीमपुर के तीन डॉक्टरों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में कुल 6 गवाहों को अदालत में पेश किया गया था। सीजेएम सुनील प्रसाद ने डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. अरुण कुमार शर्मा और डॉ. एसपी सिंह को तीन-तीन साल के कारावास समेत दस दस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अयोध्या मंदिर विवादः सुप्रीम कोर्ट में बोला शिया वक़्फबोर्ड-मस्जिद इस्लाम का हिस्सा नहीं है, बाबरी का संरक्षक शिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या विवाद के सुनवाई के दौरान शिया वक्फ बोर्ड ने कहा है कि मस्जिद इस्लाम हिस्सा नहीं है। उसने कहा कि देश में शांति, सुरक्षा और एकता के लिए शिया समुदाय ने मस्जिद का मसला नहीं उठाया। शिया वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से विवाद को सुलझाना चाहते हैं। बोर्ड ने साफ कहा कि बाबरी मस्जिद का संरक्षक एक शिया था और इसलिए सुन्नी वक्फ बोर्ड या कोई और भारत में मुसलमानों के प्रतिनिधि नहीं हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। मुसलमानों और सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से पेश सीनियर ऐडवोकेट राजीव धवन ने कहा, 'बामियान बुद्ध की मूर्तियों को मुस्लिम तालिबान ने नष्ट किया था और बाबरी मस्जिद को हिंदू तालिबान की ओर से ध्वस्त किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा -अपनी छवि में सुधार लाए वाणिज्य कर विभाग

लखनऊ (एजेंसी)। वेतनमान और कैडर तय करने जैसी मांगों पर वाणिज्य कर विभाग को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाग की छवि सुधारने और ट्रेड और मजदूर यूनियन जैसा व्यवहार न करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि यूपी जैसे बड़े कंज्यूमर वाले प्रदेश में केवल 13 लाख व्यापारियों का जीएसटी में पंजीकरण और केवल 58 हजार करोड़ के राजस्व से बात नहीं बनने वाली। एक्साइज विभाग का राजस्व टारगेट वाणिज्य कर विभाग के लिए एक आईना हो सकता है। उसने अपना राजस्व टारगेट 14 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर लगभग 30 हजार करोड़ रुपये किया है। ऐसे में वाणिज्य कर विभाग भी अपना राजस्व टारगेट 58 हजार करोड़ से बढ़ाकर एक लाख 16 हजार करोड़ नहीं तो एक लाख करोड़ रुपये तो कर ही सकते हैं।

व्यापारियों को प्रताड़ित करना बंद करें

उ.प्र. वाणिज्य कर सेवा संघ के 52वें अधिवेशन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वाणिज्य कर अधिकारी अपने काम और व्यवहार से अपनी छवि में सुधार लाएं। प्रदेश के दौरे पर हमें कई जनपदों में व्यापारियों को ई-वे बिल और अन्य बातों को लेकर व्यापारियों को प्रताड़ित करने की शिकायतें मिलती हैं। अधिकारी इनको

सुलझाने और सुधारने का प्रयास करें। विभागीय अधिकारी और व्यापारियों में विश्वास की परंपरा होना बहुत जरूरी है। हमारा दृष्टिकोण मानवीय हो व्यापारियों का शोषण नहीं होना चाहिए क्योंकि वह हमारा उपभोक्ता है। उसमें यह भाव पैदा कि वह कर चोरी करने के बजाए हमारी बनाई व्यवस्था में शामिल हो सके।

जीएसटी में पंजीकरण लक्ष्य 50 लाख हो

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में व्यापारियों का जीएसटी में पंजीकरण लगभग 50 लाख होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाग ने जो 13 लाख व्यापारियों का पंजीकरण किया है वह बहुत ही कम है। पहले ही चरण में विभाग को लगभग 20 लाख व्यापारियों का पंजीकरण करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जो व्यापारी टैक्स नहीं दे रहे हैं उन्हें भी पंजीकृत किया जाना चाहिए। पिछली सरकार ने जीएसटी को लेकर लोगों में भय फैलाने का प्रयास किया। इसका भी असर रहा कि व्यापारी इससे दूर हुए। कुछ जगह परेशानी भी है। इसको दूर करने के लिए वाणिज्य संघ को खुद प्रयास करना चाहिए।

सोनम मर्डर केस : कत्ल को बताया था आत्महत्या

गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने वाले तीन डॉक्टर दोषी करार,

लखीमपुर। साल 2011 में निघासन थाने के अंदर सोनम की हत्या हुई थी। इस घटना के बाद जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाई थी। जिसमें हत्या को आत्महत्या बताया गया था। जिसके बाद इस मामले में लखनऊ की टीम ने शव का दोबारा पोस्टमार्टम किया था। इस मामले में जिला अस्पताल के डॉ. एसपी सिंह, डॉ. एके शर्मा और डॉ. एके अग्रवाल ने गलत पोस्टमार्टम किया था। सीजेएम कोर्ट में तीनों डॉक्टरों को दोषी करार दिया है। सजा का ऐलान भी जल्द ही कर दिया जाएगा।

सोनम के पहले पोस्टमार्टम पैनल में शामिल रहे डॉ. एसपी सिंह, डॉ. एके अग्रवाल और डॉ. एके शर्मा के बयान इस मामले में अहम माने जा रहे थे। सीबीसीआईडी भी अपनी जांच का एक सिरा इन डॉक्टरों के बयानों पर टिकाए हुई थी।

इन तीनों डॉक्टरों के पैनल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सोनम की मौत की वजह हैंगिंग बताई गई थी। यानी सोनम की मौत फांसी लगने से हुई है। इसके बाद लखनऊ से आई एक्सपर्ट टीम की रिपोर्ट ने कहा कि सोनम की मौत गला दबाने से हुई है। उस रिपोर्ट के बाद उन डॉक्टरों का पैनल सवालों के घेरे में था, जिन्होंने सोनम का पहली दफा पोस्टमार्टम किया था।

दिल्ली के चीफ सेकेटरी के साथ कथित मारपीट का मामला

खंगाले सीएम, डिप्टी सीएम के कॉल रिकॉर्ड, चार्जशीट तैयार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली के चीफ सेक्रटरी (सीएस) अंशु प्रकाश के साथ सीएम हाउस में हुई कथित मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने सीएम अरविंद केजरीवाल व डेप्युटी सीएम मनीष सिसोदिया के कॉल डीटेल तक खंगाले हैं। देश का यह पहला ऐसा मामला होगा जब किसी प्रदेश की पुलिस ने अपने ही मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के कॉल डिटेल्स खंगाले हों। सूत्रों का कहना है कि सीएम व डेप्युटी सीएम को साजिशकर्ता की भूमिका में रखने वाली दिल्ली पुलिस इस पूरे मामले की चार्जशीट तैयार कर चुकी है।

बस चंद कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करना बाकी है, जिसके बाद चार्जशीट अदालत में दायर कर दी जाएगी। सूत्र दावा कर रहे हैं कि एलजी अनिल बैजल से सेंक्शन के अलावा इस बात पर भी राय ली

जा रही है कि चार्जशीट दाखिल करने से पहले राष्ट्रपति से मंजूरी लेनी चाहिए या नहीं।

पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार सीएस अंशु प्रकाश मामले में जो फाइनल चार्जशीट बनकर तैयार हुई है, वह लगभग 850 से 900 पेज की है। इसका रफ ड्राफ्ट करीब ढाई हजार पन्नों का था जिसे एडिट करके इतना बनाया गया। इस केस के लिए नियुक्त किए गए सीनियर पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मोहित माथुर अब इस चार्जशीट को वेरिफाई कर रहे हैं। इसमें कानूनी पहलुओं को देखते हुए कुछ बदलाव अंतिम समय में किए भी जा सकते हैं। पुलिस सूत्र दावा कर रहे हैं कि इसे बेहद गहन व बारीक जांच के बाद हर पहलू को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के खिलाफ उन्हीं के कुछ विभागों के प्रमुख सचिव व सचिव गवाह बने हैं, जिन्होंने आरोप लगाए हैं कि आप सरकार के मुखिया का रवैया आईएएस व दानिक्स अधिकारियों के प्रति कठोर रहता है। पुलिस अधिकारी ने फिलहाल इन अधिकारियों के नाम का खुलासा करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इन अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की गुजारिश की गई है। इसका खुलासा सिर्फ अदालत में किया जाएगा, वह भी चार्जशीट के माध्यम से।

खाना नंबर 11 में केजरीवाल, सिसोदिया

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सीएस मारपीट मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल, डेप्युटी सीएम मनीष सिसोदिया, विधायक प्रकाश जारवाल, राजेश ऋषि, ऋषराज, मदनलाल, अमानतुल्लाह खान, प्रवीण कुमार, अजय दत्त, दिनेश मोहनिया, संजीव झा, राजेश गुप्ता और नितिन त्यागी को आरोपी बनाया गया है। अमानतुल्लाह व प्रकाश जारवाल के खिलाफ पुलिस ने सीएस के साथ मारपीट करने व धमकी देने की धाराएं भी लगाई हैं। अन्य सभी को साजिश रचने व उसमें शामिल होने की धारा 120बी के तहत बुक किया गया है। सभी के नाम चार्जशीट के खाना नंबर 11 में रखे हैं।

सीएम के खिलाफ अहम सबूत का दावा

इस मामले में सीएम, डेप्युटी सीएम के अलावा 11 विधायकों से पूछताछ की गई है। दो विधायकों अमानतुल्लाह व प्रकाश जारवाल को मारपीट व धमकी देने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। किसी ने सीएस के साथ मारपीट करने या मारपीट होने की बात स्वीकार नहीं की है लेकिन इस मामले में जो सबसे अहम सबूत पुलिस के पास हैं, वे हैं मुख्यमंत्री केजरीवाल के पूर्व सलाहाकार वीके जैन। मजिस्ट्रेट के सामने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराए हैं कि उनके सामने सीएस के साथ मारपीट की गई।

दिल्ली में बारिश से लोगों को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को हुई बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक पालम में 0.4 मिलीमीटर और रिज में 8.6 मिमी बारिश दर्ज की गयी। विभाग ने दिनभर बादल छाये रहने तथा सामान्य बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो इस मौसम के औसत से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। हालांकि कल के न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस से यह कम है। राजधानी का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने का अनुमान है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था।

यूपी में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ व राज्य के अधिकांश जिलों में शुक्रवार सुबह से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक राजधानी और आसपास के जिलों में बारिश होने के आसार हैं। उप्र मौसम विभाग के निदेशक जे.पी गुप्ता के अनुसार, अधिकांश जिलों में बदली का असर रहेगा और अगले पांच दिनों तक कहीं सामान्य तो कहीं तेज बारिश होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। बदली की वजह से गर्मी व उमस से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को राजधानी लखनऊ का न्यूनतम तापमन 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। लखनऊ के अतिरिक्त शुक्रवार को गोरखपुर का न्यूनतम तापमान 22 डिग्री, कानपुर का 21 डिग्री, इलाहाबाद का 20 डिग्री, झांसी का 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जो मनुष्य मन में उठे हुए क्रोध को दौड़ते हुए रथ के समान शीघ्र रोक लेता है, उसी को मैं सारथी समझता हूं, क्रोध के अनुसार चलने वाले को केवल लगाम रखने वाला कहा जा सकता है - गौतम बुद्ध

कांग्रेस पर जितना तीखा हमला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के मुक्तसर जिले के मलौट में किसानों को केन्द्र में रखकर कांग्रेस पर जितना तीखा हमला बोला उसका अर्थ बिल्कुल स्पष्ट है। यानी आगामी विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनाव में भाजपा एवं सहयोगियों के लिए किसानों के लिए सरकार द्वारा किया काम बड़ा मुद्दा होगा। मोदी ने अपनी सरकार को किसान का सबसे हितैषी सरकार साबित किया तो कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने अपने शासन में किसानों का केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर इनका शोषण किया। 14 खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने के निर्णय को मोदी, अन्य मंत्री और भाजपा के नेता बड़े कदम के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। मोदी और उनके सहयोगियों का पूरा फोकस इस बात को साबित करने पर है कि जहां कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किसान और कृषि को तवज्जो नहीं दी और इनकी अनदेखी की वहीं उनकी सरकार ने किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिनसे किसान लाभान्वित होंगे। इसमें दो राय नहीं कि सरकारों ने अपने भाषणों और घोषणाओं में किसान और कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता अवश्य दर्शायी लेकिन किसानों की दशा बिगड़ती गई। आज यदि कोई चाहकर किसान नहीं बनना चाहता तो इसका पूरा दोष पूर्व की सरकारों पर ही जाएगा। चूंकि कांग्रेस ने सबसे लंबे समय तक शासन किया है इसलिए वह सबसे ज्यादा दोषी मानी ही जाएगी। यह भी सच है कि अभी मोदी सरकार के कदमों से कृषि के क्षेत्र में प्रत्यक्ष कोई चमत्कार नहीं दिख रहा है, पर इसने किसानों को फोकस में रखा है यह सच है। मोदी सरकार इस तरह का स्थायी तंत्र एवं मूलभूत सुविधाएं विकसित करने पर काम कर रही है, जिससे भविष्य में कृषि को मजबूत आधार मिल जाए। उदाहरण के लिए फसल बर्बाद न हो इसके लिए प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना चल रही है। नये गोदाम और फूड पार्क बनाए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसान को फसल नष्ट होने से नुकसान न उठाना पड़े। यूरिया अब स्थायी रूप से सुलभ हो गया है। कई सिंचाई परियोजनाओं पर काम हो रहा है। मिट्टी जांच के लिए नौ हजार से अधिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। सरकार का दावा है कि 15 करोड़ से ज्यादा किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। इस तरह ऐसे अनेक काम गिनाए जा सकते हैं, जिनसे पता चलता है कि मोदी सरकार का रवैया किसानों के संदर्भ में अलग है।

समस्या के प्रति लापरवाही

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भूजल का गिरता स्तर एक बड़ी और गंभीर समस्या में तब्दील होता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए इस समस्या के प्रति लापरवाही बरतने के लिए केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों को कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने इस मसले पर नीति आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। वास्तव में देखा जाए तो भूजल केवल दिल्ली की समस्या नहीं रह गई है। यह राष्ट्रीय समस्या बनती जा रही है, क्योंकि देश भर में निरंतर भूजल का स्तर गिरता जा रहा है। आज से एक दशक पहले तीस मीटर की गहराई पर पानी उपलब्ध हो जाता था, मगर अब साठ-सत्तर मीटर पर पानी उपलब्ध हो रहा है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु भूजल की समस्या से ज्यादा प्रभावित हैं। इनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली की हालत सबसे ज्यादा खराब है। सुप्रीम कोर्ट ने घटते भूजल की समस्या की भयावहता से संबंधित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली में 2021 तक भूजल बचेगा नहीं। इसका मतलब है कि लोग यहां जिंदा नहीं रह सकते। जस्टिस मदन लोकुर और दीपक गुप्ता की बेंच ने केंद्र सरकार से दिल्ली के गिरते भूजल की रोकथाम के लिए फौरन मध्यवर्ती और दीर्घकालीन उपाय करने को कहा है। भूजल के गिरते स्तर का एक बड़ा कारण मानव निर्मित है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली आठ मई को दिल्ली में भूजल के अत्यधिक दोहन पर चिंता जाहिर की थी। अनियोजित औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की नीति के कारण पेड़-पौधे काटे जा रहे हैं, जिससे वष का अनुपात घटता जा रहा है। अदूरदर्शी और बेतरतीब आधुनिक विकास के चलते हमने जोहड़ और तालाब जैसे जल संचयन के पारंपरिक स्रोतों को उपेक्षित कर दिया। हालांकि केंद्र सरकार ने भूजल प्रबंधन पर छह हजार करोड़ रुपये खर्च करने का ऐलान किया है, मगर इस तरह की सरकारी योजनाओं का क्या हश्र होता है, सभी जानते हैं। भूमिगत जल की समस्या से निबटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जल संचयन के उपायों के बारे में जागरूकता अभियान चलाना होगा।

सत्संग

मानवता

मानवता के लिहाज से भी जरूरी है कि इस धरती का हर प्राणी अपना पूरा जीवन जिए। यहां तक कि एक छोटे से कीड़े का भी अपना पूरा जीवन होता है। सिर्फ इसलिए कि कोई जीव आप से छोटा है, या वो आपसे अलग दिखाई देता है, उसे यहां जीने का कोई अधिकार नहीं है, केवल आप ही को जीने का अधिकार है, मनुष्यों का इस तरह से जीवन जीना बहुत ही स्थूल या अशिष्ट है। आज की मानवता मानवता से रहित है। मुझे लगता है कि जब तक इंसानियत ऊपर नहीं उठेगी, तब तक सचेतन तरीके से मानव आबादी पर नियंतग्र जैसी चीज होना मुश्किल है। इसके लिए सरकारों को नीतियां बनानी होंगी। लेकिन नीतियां ही काफी नहीं होंगी। किसी भी लोकतंत्र में सरकार ऐसी चीजों को जबरदस्ती लागू नहीं कर सकती। ऐसी चीजें केवल तभी काम कर सकती हैं कि जब समाज में इस बारे में अनिवार्य जागरूकता लाने के लिए प्रचार अभियान चलाए जाएं। लेकिन इसके लिए सरकार में जो लोग बैठे हैं, उन्हें निश्चित तौर पर इस विचार को आगे लाना होगा। इस दिशा में निजी संस्थाएं और एनजीओ बहुत थोड़ा ही योगदान सकते हैं, लेकिन इसके लिए सरकार का कदम जरूरी है। मानव आबादी पर नियंतग्र किए बिना पर्यावरण, भूमि संरक्षण और जल संरक्षण की बात करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आज समाज में विज्ञान एवं तकनीक के रूप में जिस तरह की शक्ति हमारे पास है, वह हर इंसान को अतिसक्रिय बना रही है। हम मानव गतिविधियों पर रोक नहीं लगा सकते क्योंकि इससे मानव की आकांक्षाओं पर रोक लगेगी। आप केवल मानव आबादी पर नियंतग्रकर सकते हैं। निश्चित रूप से आज पर्यावरण संरक्षण, हरित टेक्नोलॉजी जैसी चीजों की जरूरत है। हम केवल इतना ही कर सकते हैं-क्या हम संसाधनों के हिसाब से अपनी आबादी को संयोजित कर सकते हैं? अगर लोगों के जीवन में आवश्यक शिक्षा और जागरूकता लाई जाए तो यह ऐसी चीज है, जिसे हर इंसान कर सकता है। अगर यह काम कर लिया जाए तो फिर हमें और पेड़ लगाने की जरूरत नहीं होगी। यह धरती खतरे में नहीं है, बल्कि मानवता खतरे में है।

उत्पीड़न की घटनाओं

देशों में कितनी धार्मिक कट्टरता है। उस लंबे पत्र में कई उदाहरण दिए थे। लेकिन भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जातीय उत्पीड़न की घटनाओं की खबरें नहीं आतीं, बड़ी तादाद में वहां महिलाओं को हर साल बड़ी संख्या में दुनिया भर के वेश्यालयों में धकेल दिया जाता है। वह दुनिया के सबसे गरीब देशों में एक है, दुनिया का एकमात्र हिन्दू राष्ट्र है, वहां भारत की तरह गुलामी के हालात भी नहीं पैदा हुए। मैंने राजनीतिक पार्टियों से पूछा था कि नेपाल में उत्पीड़न के सवालों को क्यों नहीं उठातीं। इस तरह मीडिया की भूमिका को लेकर दो तरह की घटनाओं की तुलना से दावा किया जा सकता है कि वह एक की तुलना में दूसरे को कितनी अहमियत देता है। मुझे कुछ दिनों पहले एक शोध पत्र मिला।

सतीश पेडणोकर

राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के नाम पन्द्रहेक साल पहले एक पत्र लिखा था। उसमें बताया कि भारत के समाचार पत्रों में इस तरह की खबरें बड़े पैमाने पर छपती रहती हैं कि इस्लामिक देशों में महिलाओं के साथ किस तरह का नृशंस व्यवहार होता है। उन देशों में कितनी धार्मिक कट्टरता है। उस लंबे पत्र में कई उदाहरण दिए थे। लेकिन भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जातीय उत्पीड़न की घटनाओं की खबरें नहीं आतीं, बड़ी तादाद में वहां महिलाओं को हर साल बड़ी संख्या में दुनिया भर के वेश्यालयों में धकेल दिया जाता है। वह दुनिया के सबसे गरीब देशों में एक है, दुनिया का एकमात्र हिन्दू राष्ट्र है, वहां भारत की तरह गुलामी के हालात भी नहीं पैदा हुए। मैंने राजनीतिक पार्टियों से पूछा था कि नेपाल में उत्पीड़न के सवालों को क्यों नहीं उठातीं। इस तरह मीडिया की भूमिका को लेकर दो तरह की घटनाओं की तुलना से दावा किया जा सकता है कि वह एक की तुलना में दूसरे को कितनी अहमियत देता है। मुझे कुछ दिनों पहले एक शोध पत्र मिला। इसमें कुछेक घटनाएं दलित उत्पीड़न की थीं और कुछेक वैसी थीं जिन्हें समाचार पत्रों में मुस्लिम उत्पीड़न की घटनाओं के रूप में जगह मिल रही थी। उस अध्ययन में साबित करने की कोशिश की गई थी कि दलित उत्पीड़न की घटनाओं से कहीं ज्यादा महत्व मुसलमानों के खिलाफ होने वाली उत्पीड़न की घटनाओं को मिल रहा है। ऐसा नहीं था कि अध्ययन करने वाली जो संस्था थी वह दलितों की शुभचिंतक थी। वह जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त लोगों की संस्था मानी जाती है। उसने उस वक्त इस तरह के अध्ययन को अपने राजनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण समझा जबकि दलित और मुस्लिम के राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा था। शोध को सत्य की खोज नहीं मान सकते। सत्य सापेक्ष होता है। यहां जापान की चर्चित फिल्म रशोमोन (1950) की चर्चा जरूरी हो जाती है। उसमें फिल्मकार ने एक ही घटना को कई तरह से प्रस्तुत किया है, और जिस भी तरह से वे घटनाएं प्रस्तुत की गई, वे बिल्कुल सच लगती हैं। फिल्म की बुनावट इस प्रकार है कि उस घटना से जुड़ा हर पात्र अपने तरीके से उस घटना को प्रस्तुत करता है, और अपनी प्रस्तुति में खुद को छोड़कर दूसरे पात्रों को कटघरे में खड़ा करता है। यदि राजनीति में धर्म के इस्तेमाल को लेकर एक फिल्म बनाई जाए तो उसका हर किरदार अपने तरीके से अपनी राजनीति में धर्म को जरूरी मान सकता है। उसकी ऐतहासिकता प्रमाणित कर सकता हैं। भिन्नताओं के भरे समाज में वर्चस्व स्थापित करने की राजनीतिक होड़ एक धर्म की राजनीति दूसरे धर्म या धर्मो को कटघरे में खड़ा किए बिना आगे बढ़ नहीं सकती। लेकिन जहां धर्म की राजनीति से अलग सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से राजनीति होती है, तो वहां किसी भी घटना को देखने की दृष्टि भिन्न हो जाती है। हमारे समाज में यह प्रवृत्ति तेजी के साथ बढ़ी है कि किसी भी स्थिति को दो छोर पर खड़ा करके उसकी तुलना की जाए। जैसे सांप्रदायिक दंगे हों तो यह आंकड़ा प्रस्तुत किया जा सकता है कि भाजपा के शासनकाल में कितने सांप्रदायिक दंगे हुए और उनसे कितने ज्यादा दंगे कांग्रेस के शासनकाल में हुए यानी दंगे के कम और ज्यादा होने की वजह के रूप में शासन के तौर तरीकों को रखकर इस बहस को यह दिशा दी जा सकती है कि सांप्रदायिक दंगों के कारण क्या हैं? इनसे किसके हित पूरे होते हैं? मीडिया को दो नजरिये से कटघरे में खड़ा किया जा सकता है। एक यह हो सकता है कि अपनी राजनीति के अनुकूल कैसे मीडिया में खबरों के लिए जगह बनाने का एक दबावमूलक वातावरण तैयार किया जाए। दूसरा, यह हो सकता है कि मीडिया जिन तरह की खबरों को अनदेखा करता आ रहा है, वैसी खबरों के लिए जगह बनाई जाए ताकि राजनीतिक पार्टियां आर्थिक-सामाजिक स्तर पर यथास्थितिवाद की पक्षधरता की सीमाओं से बाहर निकलने के लिए बाध्य हो। मीडिया में खबरों की जगह बनने के मसले को समझना बहुत पेचीदा काम हैं। एक तो मीडिया संस्थानों का अपना एक आर्थिक लक्ष्य होता है, और संस्था अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए अपने प्रकाशन और प्रसारण को राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल करती है। दूसरा, राजनीतिक स्तर पर मीडिया में दबाव बनाने की कोशिश होती है कि वह उसके लक्ष्यों को हासिल करने में उसका साझीदार बने। दुनिया का कोई भी मीडिया संस्थान दावा नहीं कर सकता कि वह समाज के सभी वगरे की अभिव्यक्ति का माध्यम है। पूंजीवादी समाज में मीडिया आर्थिक-सामाजिक स्तर पर प्रभाव रखने वाले वगरे के हितों में होता है। लेकिन वहां एक संघर्ष यह चलता है कि वह किस तरह के सामाजिक मुल्यों के साथ लंबे समय तक खुद को कायम रख सकता है। भारतीय समाज में मीडिया

पर सामाजिक-आर्थिक स्तर पर वर्चस्व रखने वालों की पक्षधरता को लेकर कई शोध सामने आ चुके हैं। हाल के वर्षो में मीडिया पर लगातार दबाव बना हुआ है कि संविधान के उस मूल्य को छोड़ दे जिसे धर्मनिरपेक्षता के रूप में स्थापित किया गया है। इसीलिए जब वैसी घटनाएं होती हैं, जिनका राजनीतिक स्तर पर असर होता है, तो दो घटनाओं को सामने रख दिया जाता है। मसलन, जम्मू के कठुआ में नाबालिग से रेप और हत्या की घटना और मध्य प्रदेश के मंदसौर में नाबालिग से रेप की घटना को सामने रख दिया गया क्योंकि एक के बलात्कारी को हिन्दू मान लिया गया और पीड़ित को मुसलमान; और दूसरी घटना में पीड़ित को हिन्दू और बलात्कारी को मुसलमान। सांप्रदायिक दृष्टि से दोनों घटनाओं के बीच और उनके खिलाफ प्रतिक्रियाओं की तुलना करें तो किन-किन तयों को छुपाया जा सकता है। पहला, दोनों राज्यों में शासन करने वाली राजनीतिक पार्टी एक ही है। दूसरा, रेप की संस्कृति के विस्तार के कारणों की तरफ से ध्यान दूसरी तरफ हटाया जा सकता है। इसी तरह ईसाइयों द्वारा धर्म परिवर्तन कराने की घटनाओं को लेकर कहा जा सकता है कि मीडिया में उन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिली। बिल्कुल यह सच लग सकता है। लेकिन ठीक उसी तरह से उसने इस सच्चाई को भी पर्याप्त जगह नहीं दी कि लाखों की संख्या में गरीब-गुरबे और आदिवासियों को दूरदराज के जंगल में जाकर पहली बार ईसाइयों ने ही स्कूल के दर्शन करवाए। डॉ. राम दयाल मुंडा ने एक किताब में आदिवासी अस्तित्व व झारखंडी अस्मिता के सवाल पर बताया है कि कैसे आदिवासियों का हिन्दूकरण किया गया है। लेकिन उसे भी पर्याप्त जगह अब भी नहीं मिलती। अपने वर्चस्व के चश्मे से देखने से सच की कई परतें दबी रह जाती हैं।

चलते चलते

दुनिया के सात अजूबों में शुमार

दुनिया के सात अजूबों में शुमार ताजमहल के संरक्षण को लेकर सर्वोच्च अदालत ने बेहद तल्ख टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में केंद्र सरकार को कहा, ताज को सरंक्षण दो या ध्वस्त कर दो। अदालत को गुस्सा एक दिन में नहीं आया है। बल्कि तीन दशकों से ताज संरक्षण के पक्ष में एक के बाद एक फैसला देने के बावजूद विशेष प्रगति नहीं होने के बाद दिखा। मालूम हो कि 1993 में ताज के 500 मीटर के दायरे में आने वाले उद्योगों और श्मशान घाटों को खाली कराया गया था। मगर बेहद अफ्सोसजनक बात है कि आज भी आगरा की गिनती देश के सबसे प्रदूषित शहरों में होती है। यही नहीं ताज के आसपास कुछ उद्योगों को मंजूरी देने के विचार की भी बात सामने आई है। ताज संरक्षण को लेकर दृष्टि पत्र पेश करने

अदालत ने स्पष्ट शब्दों में केंद्र सरकार को कहा, ताज को सरंक्षण दो या ध्वस्त कर दो। अदालत को गुस्सा एक दिन में नहीं आया है। बल्कि तीन दशकों से ताज संरक्षण के पक्ष में एक के बाद एक फैसला देने के बावजूद विशेष प्रगति नहीं होने के बाद दिखा। मालूम हो कि 1993 में ताज के 500 मीटर के दायरे में आने वाले उद्योगों और श्मशान घाटों को खाली कराया गया था।

में विफल उत्तर प्रदेश सरकार को आईना दिखाते हुए अदालत कहा कि ताज के मुकाबले फ्रांस के एफिल टॉवर का दीदार करने 8 गुना ज्यादा लोग आते हैं। यह सरासर सरकारी उदासीनता का मामला है। नहीं तो विश्व धरोहर स्थल की यह हालत नहीं होती। तमाम चिंताओं के बावजूद सबसे बड़ी नाकामी ताज की गिरती सफेदी के कारणों का पता नहीं लग पाना भी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा कोर्ट में ताज की गिरती सफेदी का कारण कीड़े-मकोड़ों को बताना उसके कहिली को पलिक्षित करता है। सफेदी खोते ताज को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है।

कुछ कूड़ा जलाने को तो कुछ फैक्टरियों को बताते हैं। मगर ठोस नतीजे पर कोई नहीं पहुंचा है। ऐसे में सर्वोच्च अदालत की राय ठीक जान पड़ती है कि ताज संरक्षण लिए किसी बाहरी एजेंसी का सहयोग लिया जाए। प्रयोग का दौर खत्म हो चुका है। अगर पुरातत्व विभाग ताज का संरक्षण कर पाने में असफल है तो उसे ताज के संरक्षण से अलग कर देना चाहिए।

केंद्र ने इस संदर्भ में एक कमिटी का गठन किया है जो चार महीने में रिपोर्ट देगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि कमेटी की रिपोर्ट आ जाने के बाद ठोस कदम उठाए जाएंगे। ताज की चमक सीधे तौर पर भारत के पर्यटन बाजार के चमक से जुड़ी हुई है।

फोटोग्राफी...

ट्रेविस ने किया इवेल वाला स्टंट...*अमेरिकी शहर लास वेगास में स्टंटमैन ट्रेविस पासत्राना ने इवेल नीलवेल का पॉपुलर स्टंट किया। इसी दौरान ट्रेविस ने सीजर्स पैलेस फाउंटेन्स के पास रखी 52 बेकार गाड़ियों के ऊपर से 152 फुट ऊंची छलांग लगाई। ऐसा स्टंट करते हुए कई साल पहले इवेल की जान जाते-जाते बची थी।*

पुलिस के प्रति आमजन का अविास

ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुलिस सुधार के मसले पर नये दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कोर्ट ने राज्य सरकारों द्वारा की जाने वाली कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया है, और राज्य पुलिस प्रमुख की नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा गठित पैनल के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए हैं। दूसरी तरफ, मद्रास हाई कोर्ट ने पुलिस को साप्ताहिक अवकाश न दिए जाने पर चिंता जाहिर की है। जाहिर है कि मद्रास हाई कोर्ट द्वारा सरकार से इस बाबत सवाल पूछना और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश पुलिस सुधार के अहम पहलू हैं। लेकिन गौर करें तो, सर्वोच्च न्यायालय के हालिया दिशा-निर्देश में कुछ भी नया नहीं है। ज्यादातर बातें प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ, 2006 मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों की पुनरावृत्ति ही हैं। लेकिन विडंबना है कि आज लगभग 11 वर्ष बीत चुके हैं, और अधिकतर राज्य सरकारें अब तक इन निर्देशों का सही से पालन नहीं कर पाई हैं। कम-से-कम दो सालों का सेवाकाल शेष होने पर भी अधिकारी को पुलिस महानिदेशक बनाने पर सुप्रीम कोर्ट का जोर पुलिस सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम था, लेकिन सेवानिवृत्ति से ठीक पहले अधिकारी को डीजीपी बना देना सियासी मंसूबे को हासिल करने के अलावा कुछ भी नहीं था। लेकिन अहम सवाल है कि सरकार की प्राथमिकता क्या होनी चाहिए? राजनीतिक हित साधना जरूरी है, या सामाजिक हित? क्योंकि, पुलिस तो समाज सेवा के लिए होती है, न कि सरकार की सेवा के लिए। मौजूदा वक्त में काम के दौरान पुलिस के सामने अनेक समस्याएं आती हैं, लेकिन इनमें से कुछ ऐसी हैं, जो सभी राज्यों में कमोबेश एक जैसी हैं। ज्यादातर राज्यों में पुलिस की छवि मनमानी करने, पिपल फ्रेंडली होने और अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने वाली रही है। हमेशा ऐसे किस्से सुनने-पढ़ने और देखने को मिलते हैं, जिनमें पुलिस द्वारा अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया जाता है। पुलिस का नाम लेते ही प्रताड़ना, क्रूरता, अमानवीय व्यवहार, उगाही, रिश्वत आदि जैसे शब्द दिमाग में चलने लगते हैं। इसके पीछे पुलिस में संख्या बल की भारी कमी की वजह से काम का अतिरिक्त दबाव और उनका मानसिक रूप से थका होना बड़े कारण रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हर 450 लोगों पर एक पुलिसकर्मी होना जरूरी है जबकि भारत में औसतन 732 लोगों पर एक पुलिसकर्मी उपलब्ध होता है। सच तो यह है कि राज्य सरकारों पर कई बार पुलिस प्रशासन के दुरु पयोग के आरोप भी लगते रहे हैं। मुमकिन है कि इन्हीं सब वजहों से राज्य सरकारें पुलिस सुधार के लिए तैयार नहीं होतीं। हमें यह समझना होगा कि पुलिस सुधार को लेकर राज्य सरकारों की बेरुखी की वजह से पुलिस के प्रति आमजन का अविास और बढ़ जाता है। पुलिस में संस्थागत सुधार ही वह कुंजी है, जिससे कानून व्यवस्था को पटरी पर लाया जा सकता है। लेकिन, चिंता का विषय है कि सत्ता में आने वाली हर सरकार पुलिस के पुराने ढांचे को बनाए रखना चाहती है, ताकि वह इसे मनमाने तरीके से इस्तेमाल कर सके। सीबीआई जैसी अहम संस्था को भी राजनीतिक दखल से हम महफूज नहीं रख सके हैं लिहाजा, वक्त की जरूरत है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए ताकि पुलिस-प्रशासन को राजनीति के चंगुल से निकाल कर आजादी से काम करने का मौका मिल सके। अगर ऐसा हो पाता है, तो हम समाज को कई अन्य तरह की चुनौतियों से आजाद कराने में यकीनन कामयाब हो पाएंगे।

संक्षिप्त

राहुल गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष को दी बधाई

रांची, भूमि अधिग्रहण बिल के खिलाफ सफलतापूर्वक चलाये जा रहे आंदोलन पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार को बधाई दी है। प्रवक्ता लालकिशोरनाथ शाहदेव ने बताया कि राहुल गांधी ने पत्र में 14 हजार लोगों से ज्यादा गिरफ्तारी पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा है कि बंद के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर आम लोगों को बंद में शामिल होने से रोका गया, जो कि नागरिक अधिकारों का हनन है। झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में भाजपा शासित राज्यों में सोशल इंपैक्ट एसेसमेंट को हटाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि यूपीए सरकार द्वारा आमजनों की हितों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए की गयी थी। पत्र में डॉ. अजय कुमार से भूमि अधिग्रहण संशोधन बिल के विरोध में लोगों के साथ लड़ाई जारी रखने का अनुरोध किया है। राहुल गांधी द्वारा डॉ. अजय कुमार के कार्यों की प्रशंसा किये जाने पर कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है।

शत्रुघ्न सिन्हा की सुरक्षा बढ़ाई गई

पटना, केन्द्र सरकार पर अपने बेबाक बोल से हमेशा चर्चा में रहने वाले पटना साहिब संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की सुरक्षा गृह मंत्रालय में बढ़ा दी है। गृह मंत्रालय ने शत्रुघ्न सिन्हा की सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद यह फैसला लिया है। नये आदेश के मुताबिक गृह मंत्रालय ने शत्रुघ्न सिन्हा को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय ने खतरों को देखते हुए बिहार और महाराष्ट्र सरकार को सुरक्षा मुहैया करवाने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय के आदेश के बाद बिहार पुलिस की खुफिया शाखा ने सभी जिलों के डीएमएसपी को सुरक्षा इंतजाम के मद्देनजर पत्र जारी किया है। गृह मंत्रालय द्वारा राज्य सरकार को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि सांसद शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा खतरे की आशंका जतायी गयी है। हालांकि, खतरे को लेकर कारण विशेष का कोई इनपुट नहीं है। गृह मंत्रालय ने बिहार और महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सांसद को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय का पत्र मिलने के बाद बिहार पुलिस की खुफिया शाखा ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने को लेकर डीएम और एसपी को पत्र भेजा है।

हत्या मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

देवघर, मोहनपुर थाना क्षेत्र के बरसतिया गांव निवासी राधे यादव की हत्या का दोषी पाये गये गंगा प्रसाद यादव उर्फ गंगा यादव को सश्रम आजीवन कारावास की सजा दी गयी। साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना की राशि मृतक की पत्नी को दी जायेगी। राशि भुगतान नहीं करने पर एक साल अलग से सजा काटनी होगी। इस मामले के अन्य तीन आरोपित चंदेश्वर यादव, रामेश्वरी देवी व भालू यादव को संदेह का लाभ देते हुए रिहा कर दिया गया। यह फैसला सेशन जज पांच अनिल कुमार मिश्रा की अदालत द्वारा दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद भरी अदालत में सुनाया गया। ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष से अपर लोक अभियोजक ब्रह्मदेव पांडेय व बचाव पक्ष से अधिवक्ता श्रवण कुमार ने पक्ष रखा। यह केस अर्जुन यादव के बयान पर मोहनपुर थाना में 1 जनवरी 2007 को दर्ज हुआ था। घटना के समर्थन में अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाही दी गयी।

भाजपा नेता अमरजीत की बेटी ने की आत्महत्या

धनबाद, भाजपा नेता अमरजीत कुमार की बेटी रजनी कुमारी (18) ने कल कंबाइंड बिल्डिंग परिसर स्थित अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीकॉम पार्ट1 की परीक्षा में अकाउंट विषय में दो नंबर से फेल कर गयी थी। इस वजह से वह तनाव में थी। उसने एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय से परीक्षा दी थी। बुधवार सुबह रजनी ने मीट खाने की इच्छा जाहिर की और पिता को मीट लाने भेज दिया। मां बाथरूम में चली गयी। मौका पाकर वह दुपट्टे से फंदा बना पंखे से झूल गयी। पिता की शिकायत पर मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है।

झारखंड ऊर्जा निगम के अकाउंट से ४९ लाख की फर्जी निकासी

रांची, झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड (जेबीभीएनएल) के सरकारी एकाउंट से फर्जी चेक के जरिये 49.90 लाख रुपये की निकासी कर ली गयी है। अभियंता राजू महथा की लिखित शिकायत पर कल डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। प्राथमिकी के अनुसार, ऊर्जा निगम लिमिटेड का सरकारी एकाउंट भारतीय स्टेट बैंक की डोरंडा शाखा में है। 11 जुलाई को नेट बैंकिंग के जरिये राजू महथा को रुपये की निकासी के संबंध में जानकारी मिली। जिन तीन चेक नंबर के जरिये रुपये की निकासी की गयी है, उन्हें किसी को भी जारी नहीं किया गया है। राजू महथा ने इसकी जानकारी बैंक प्रबंधक को भी दी। तब उन्हें पता चला कि सरकारी खाते के अंकित मोबाइल नंबर को बदल दिया गया है। यह काम राजू महथा की जानकारी के बगैर किया गया है। राजू महथा ने आरोप लगाया है कि इस काम में बैंक के पदाधिकारी और कर्मचारी की संलिप्तता हो सकती है।

भाई व दोस्त के बदले परीक्षा देने पहुंचे ३ गिरफ्तार

जमशेदपुर, सिदगोड़ा के जेप-6 में आइआरबी की बहाली में भाई व दोस्त के बदले शारीरिक जांच परीक्षा में शामिल होने आये तीन युवकों को कल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शारीरिक जांच परीक्षा के दौरान तीनों का फिंगर प्रिंट मैच नहीं हुआ और शक होने पर तीनों को सिदगोड़ा पुलिस के हवाले कर दिया गया। आईआरबी-2 चाईबासा कैंप के दारोगा संतोष कुमार राय के बयान पर गिरफ्तार जहानाबाद के बिचली मोहल्ला निवासी मो. आसीफ आलम, गोड्डा निवासी फैजू कुमार, जहानाबाद के गोरक्षनी निवासी संजीव कुमार समेत फरार मुकेश कुमार (गोड्डा) तथा गौतम कुमार (जहानाबाद) के खिलाफ धोखाधड़ी व जालसाजी का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों को जेल भेज दिया, जबकि दो की तलाश जारी है।

विषाक्त भोजन खाने से १२० छात्र बीमार

लखीसराय, जिले के बड़हिया स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में विषाक्त भोजन खाने पर १२० से अधिक छात्र बीमार हो गये। घटना के बाद बीमार बच्चों को शुक्रवार की सुबह आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। जहां, बच्चों को उचित मेडिकल सुविधा देने में भी विलंब हुआ। मीडिया में खबर आने के बाद जिलाधिकारी शोभेंद्र कुमार चौधरी के हस्तक्षेप के बाद बच्चों को मेडिकल सुविधा दी गयी। बीमार बच्चों में करीब दो दर्जन की हालत गंभीर बतायी जा रही है। जानकारी के मुताबिक कल देर रात विद्यालय में रात का खाना खाने के बाद लगभग 50 से अधिक छात्र-छात्राएं बीमार हो गए। सभी का इलाज के लिए बड़हिया रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां, अस्पताल में मेडिकल सुविधा का

अभाव दिखा। गंभीर रूप से बीमार बच्चों को सदर अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस तक नहीं मिला। बीमार बच्चों की संख्या सौ पार कर चुकी है। कुछ बच्चों का इलाज सदर अस्पताल में भी चल रहा है। बच्चों के अनुसार उन्होंने रात के फ्राय चावल, पनीर व आलू की सब्जी खाई थी। खाने के बाद रात करीब 12 बजे से बच्चों ने पेट मे दर्द, बुखार और उल्टी की शिकायत की। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। सुबह में घटना की खबर मीडिया में आने के बाद प्रशासन की निंद खुली। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद जिलाधिकारी बड़हिया रेफरल अस्पताल पहुंच कर बीमार बच्चों के इलाज का जायजा लिया। परिजनों में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश है। परिजनों ने जिलाधिकारी से स्कूल प्रबंधन की शिकायत की है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने टीम गठित कर जांच का आदेश दे दिया है। वहीं, जिलाधिकारी के आदेश पर 20 जुलाई तक स्कूल को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही स्टोर रूम को भी सील कर दिया गया है। स्टोर रूम में मौजूद खद्य सामग्रियों की जांच एफएसएल की टीम करेगी।

नीतीश गठबंधन में कंफर्टेबल नहीं - शक्ति सिंह गोहिल

पटना, अमित शाह और नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद बिहार में सियासी पारा गर्म हो गया है। इसके साथ ही बयानबाजी का दौर भी एक बार फिर से तेज हो गया है। इसी क्रम में बिहार कांग्रेस प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने मुख्यमंत्री और अमित शाह पर निशाना साधा है। शक्ति सिंह गोहिल ने कहा है कि नीतीश कुमार महागठबंधन में शामिल हुए और मुख्यमंत्री बने, लेकिन अब जाकर नीतीश कुमार फासिस्टो के साथ बैठ गये हैं। नीतीश कुमार खुद भी इस गठबंधन में कंफर्टेबल नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि अब देश में बीजेपी के खिलाफ माहौल है। शक्ति सिंह गोहिल ने अमित शाह-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो नरेंद्र मोदी और अमित शाह अपने

जिन साथियों को देखते तक नहीं थे। आज वो अपने उन्हीं साथियों के पैर पकड़ रहे हैं। वहीं, शक्ति सिंह गोहिल के इस बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा है कि उनके पास अब कुछ नहीं बचा है, इसलिए ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। इस पर पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा ने शक्ति सिंह गोहिल का बचाव किया और कहा है कि राम के वो हैं ही नहीं, राम लला कुटिया में कैद हैं और इन्हें उनकी चिंता नहीं सिर्फ भाषण बाजी करते हैं, जबकि रहीम के तो कभी रहे ही नहीं और हराम का मतलब है कि भाजपा के लोग लूट के पैसे यानि गलत पैसे से अय्यासी कर रहे हैं और ये बयान उसी संदर्भ में है इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

विधायक ढुल्लू महतो समेत आठ को एक साल की सजा

धनबाद, सरकारी अधिकारी से दुर्व्यवहार और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के मामले में अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी शशि भूषण शर्मा की अदालत ने कल बाघमारा के भाजपा विधायक ढुल्लू महतो समेत आठ लोगों को एक वर्ष कैद और दो सौ रुपये जुर्माना की सजा सुनायी। बाद में अदालत ने प्रधान

जिला व सत्र न्यायाधीश की अदालत में क्रिमिनल अपील याचिका दायर करने के लिए अंशकालिक जमानत दे दी। यह दूसरा मामला है, जब विधायक ढुल्लू महतो को सजा सुनायी गयी है। अदालत ने विधायक ढुल्लू महतो, संतोष महतो, मानिक महतो, रावण महतो, धीरेन महतो, मनोज महतो, सीताराम महतो व बिनोद महतो को भादवि की धारा 143 में छह माह, 341 में एक माह, 353 में एक वर्ष कैद व भादवि की धारा 283 में 200 रुपये जुर्माना की सजा सुनायी। सभी सजाएं एक साथ चलेगी। अभियोजन की ओर से हरेश राम (एपीपी) ने 16 गवाहों की गवाही करायी। छह जून 2006 को बरोरा थाना क्षेत्र के दरिदा मोड़ के समीप मोटरसाइकिल सवार वकील महतो की मौत तेज डंपर के धक्के से हो गयी थी। ढुल्लू महतो के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने कतरास-बाघमारा हीरक रोड के दरौंदा मोड़ को जाम कर यातायात बाधित कर दिया था। घटना की सूचना पाते ही मौके पर पहुंचे तत्कालीन बीडीओ प्रभाकर सिंह के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। तत्कालीन बरोरा थाना प्रभारी बीडी सिंह के शिकायत पर बाघमारा थाना में कांड संख्या 133/06 दर्ज हुआ था।

स्वागत में खर्च होने वाला पैसा कहां से आया - अशोक गहलोत

पटना, पटना के सदाकत आश्रम पहुंचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव अशोक गहलोत ने भाजपा नेताओं से सवाल किया है कि अमित शाह के स्वागत में खर्च होने वाला पैसा कहां से आया? उन्होंने कहा कि पूरा पटना पोस्टर से पटा है।

पीएम भी आते हैं तो इतना पोस्टर नहीं लगता। ईमानदारी का चोला पहनने वाली भाजपा के नेताओं का इसका जवाब देना चाहिये। वे कल सदाकत आश्रम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अशोक गहलोत ने कहा कि वे रातोंरात जाकर सांप्रदायिक ताकतों के साथ बैठ गये। उन्होंने गलत निर्णय लिया है। इसका उनको एक दिन पछतावा होगा। सबको पता है कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ सहज नहीं हैं। अशोक गहलोत मोदी सरकार पर भी जमकर बरसे। अशोक गहलोत ने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी देश के लिए खतरनाक है। इस जोड़ी को भाजपा के लोग भी पसंद नहीं कर रहे। नरेंद्र मोदी ने अच्छे दिन लाने, विदेशों से कालाधन वापसी और दो करोड़ लोगों को रोजगार

देने की बात कही थी, उसका क्या हुआ? उन्होंने एमएसपी की घोषणा कर हौव्वा खड़ा कर दिया है। अशोक गहलोत ने कहा कि खराब व्यवस्था के कारण पार्टी की स्थिति खराब हुई है। इस हाल में कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पायेगी। ऐसे में समय की मांग के कारण जदयू और राजद से गठबंधन की बातें करना कांग्रेस की मजबूरी है। हालांकि उन्होंने कहा कि राजद से गठबंधन है और हमेशा रहेगा। असत्य बोलने से नरेंद्र मोदी की विश्वसनीयता कम हुई है। 2019 के चुनाव में भाजपा की सरकार नहीं बनेगी।

नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बने, २१वीं सदी भारत का होगा - रघुवर दास

रांची, मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र व राज्य सरकार आदिवासी, दलित, पिछड़ों व गरीबों को फोकस कर इनके उत्थान को लेकर काम कर रही है। आजादी के 70 साल बाद, राष्ट्र के लिए कुर्बानी देनेवाले बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदोकान्हू जैसे शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए काम किया जा रहा है।

सरकार ने शहीदों के गांव को आदर्श ग्राम बनाने का काम शुरू किया है। 2019 में नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बने, तो 21वीं सदी भारत की होगी। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी लोकसभा की सभी 14 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के विकास को लेकर सरकार की ओर से कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। सरकार ने आदिवासी जन उत्थान अभियान की शुरूआत की है। 15 अगस्त तक आदिवासी बाहुल्य 3264 गांवों में केंद्र सरकार की सात फ्लैगशिप योजनाएं शत प्रतिशत लागू होंगी।

यही नहीं सरकार ने गांवों के विकास के लिए आदिवासी विकास समिति व ग्राम विकास समिति का गठन किया है। राज्य में 32,816 गांवों में आदिवासी विकास समिति व 10,274 गांव में ग्राम विकास समिति का गठन किया जा चुका है। श्री दास ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी जनजातीय समाज के विकास को लेकर कार्य नहीं किया। श्री दास कल भाजपा अनुसूचित जनजाति की ओर से डिबडीह स्थित सेलिब्रेशन में आयोजित जनजातीय संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आये 32 जनजातीय समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें मानकीमुंडा, पाहन, मांझी, बाबा, पुजार, कोटवार, पाई, नभोरा के साथ आदिवासी समाज के वकील, डॉक्टर व शिक्षाविद् शामिल थे। इनके अलावे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री सौदान सिंह, प्रदेश सह प्रभारी राम विचार नेताम, केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत, केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत सिन्हा, सांसद समीर उरांव, मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, मेयर आशा लकड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय सहित अन्य मौजूद थे।

फरार पूर्व थानाध्यक्ष ने किया आत्मसमर्पण

गया, शराब धंधेबाज को पैसे लेकर छोड़ने के मामले में विगत 19 मई की दोपहर एसएसपी राजीव मिश्रा ने चाकंद थानाध्यक्ष पवन कुमार को रिश्वत में लिए 1.16 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया था। जांच के लिए विधि व्यवस्था डीएसपी संजीत कुमार कार्यालय से थानाध्यक्ष फरार हो गये थे। इसके बाद निगरानी में मामला दर्ज किया गया। निगरानी कोर्ट ने पिछले दिनों कुर्की-जब्ती का आदेश दिया था। इससे घबराये पूर्व थानाध्यक्ष ने निगरानी कोर्ट में कल आत्मसमर्पण कर दिया। एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि फरार चल रहे थानाध्यक्ष ने निगरानी कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गौरतलब है कि चाकंद पुलिस ने विगत 18 मई की रात को चार शराब धंधेबाजों को भारी मात्रा में शराब व बोलेरो गाड़ी के साथ पकड़ा था। गन्नू बिगहा के रहनेवाले एक पंचायत के वर्तमान सरपंच की पैरवी पर गन्नू बिगहा के दो लोगों को डेढ़ लाख रुपये लेकर छोड़ने का सौदा थानाध्यक्ष से तय हुआ। आरोप है कि पैसे लेकर थानाध्यक्ष ने दोनों को छोड़ भी दिया था। इसके बाद किसी ने इस बात की सूचना एसएसपी को दे दी थी। इसके बाद एसएसपी राजीव मिश्रा ने चाकंद थाना में छापेमारी कर थानाध्यक्ष को रुपये के साथ धर दबोचा था। गिरफ्तारी के बाद चाकंद थानाध्यक्ष फरार हो गये थे।

धर्म के आधार पर कांग्रेस बुद्धिजीवियों को न बांटे - शाहनवाज

पटना, पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस पर धर्म के नाम पर बुद्धिजीवियों और देश को बांटने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि बुद्धिजीवी, बुद्धिजीवी होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि शरिया कानून और तीन तलाक के मुद्दे के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को सैफुद्दीन सोज व सलमान खुर्शीद के बयान पर अपनी राय रखनी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति अपना रहे हैं। वे कल प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मुस्लिम बुद्धिजीवियों से राहुल गांधी की मुलाकात पर कहा कि बुद्धिजीवी किसी धर्मसंप्रदाय के नहीं होते हैं। अब क्या राहुल गांधी हिंदू, दलित, आदिवासी, पिछड़ा व अतिपिछड़ा में भी बुद्धिजीवियों की खोज करेंगे। बुद्धिजीवियों का कोई धर्म नहीं होता। राहुल गांधी धर्म के आधार पर अब बुद्धिजीवियों की तलाश कर रहे हैं। गुजरात व कर्नाटक में जब चुनाव था, तो वो उस समय मंदिर-मंदिर भटक रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बुनकरों को बिजली मुहैया करायी पर सम्मेलन राहुल गांधी कर रहे हैं। शाहनवाज ने कहा कि मनमोहन सिंह के समय कांग्रेस ने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट क्यों नहीं लागू की। मौके पर विधान पार्षद संजय मयूख व प्रवक्ता संजय टाइगर भी मौजूद थे।

हज यात्रियों के लिए पूर्व के वर्षों से बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो - लुईस

रांची, झारखंड राज्य हज समिति की बैठक कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान हज यात्रियों के सऊदी अरब प्रस्थान के समय प्रशासनिक एवं अन्य व्यवस्था से संबंधित विषयों पर चर्चा की गयी। मंत्री ने पूर्व के वर्षों से बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। संबंधित पदाधिकारी को एयरपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था हेतु दो अगस्त से 10 अगस्त तक दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया। एयरपोर्ट व मदरसा जामियां कडरू में ट्रैफिक संचालन हेतु अस्थाई रूप से ट्रैफिक पुलिस कर्मी की प्रतिनियुक्ति करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि रात के समय में हज यात्रियों के विमान के समयानुसार पुलिस वाहन की गश्ती ओवरब्रिज से एयरपोर्ट तक करायें, मदरसा जामियां हुसैनिया जामिया नगर कडरू व बिरसा मुंडा एयरपोर्ट में हज टर्मिनल के लिए अलग-अलग मेडिकल टीम सहित एंबुलेंस के साथ उचित दवाई की व्यवस्था की जाये। इन दोनों जगहों पर प्रतिदिन पानी के दोदो टैंकर की व्यवस्था की जाये, साथ ही प्रत्येक दिन साफ-सफाई हेतु सफाई कर्मियों की अस्थाई प्रतिनियुक्ति की जाये।

एयरपोर्ट के समीप बायो शौचालय वाहन की व्यवस्था, एयरपोर्ट में वजू खाना, शौचालय, पार्किंग की व्यवस्था, नमाजगाह और एयरपोर्ट के बाहर बैठने की व्यवस्था की जाये। हज टर्मिनल के बाहर वाटर प्रूफ पंडाल की व्यवस्था, पानी, अग्निशमन सहित अन्य व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में जैसी व्यवस्था की जाती थी, इस बार उससे बेहतर इंतजाम किये जायें। इससे पूर्व उन्होंने नये चयनित सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष कमाल खान, कल्याण विभाग की सचिव हिमानी पांडे, वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रांची नगर निगम, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, विमानन नियंत्रक बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, राज्य हज समिति के सदस्य सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नशाखुरानी गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

दरभंगा, दरभंगा जंक्शन पर जीआरपी को बीती रात बड़ी कामयाबी हाथ लगी। नशाखुरानी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

थानाध्यक्ष इमरान आलम ने गश्त लगाने के क्रम में संदेह के आधार पर गिरोह के एक सदस्य को पकड़ा। पूछताछ व जांच में उसके नशाखुरान होने की पुष्टि होने पर उसकी निशानदेही पर छापा मार मुजफ्फरपुर जिले से अन्य चार सदस्यों को भी गिरफ्त में ले लिया। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। इसमें मुजफ्फरपुर नगर थाना क्षेत्र के केदारनाथ रोड कल्याणी चौक वार्ड 22 निवासी अब्दुल हसन के 25 वर्षीय पुत्र मो. इरशाद उर्फ नौशाद, उसी थाना क्षेत्र के गोला रोड ब्राह्मण टोली निवासी स्व. सीताराम तिवारी के 32 वर्षीय पुत्र दीपक तिवारी, सदर थाना के भीखनपुरा रामदयालू निवासी कमल किशोर सिंह के 26 वर्षीय पुत्र अमित पटेल, शत्रुघ्न राम के 30 वर्षीय पुत्र राजेश राम एवं कमल किशोर सिंह के 40 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार शामिल हैं। सभी अभियुक्तों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

शिक्षक, प्रधानाध्यापक समेत ३ पर प्राथमिकी दर्ज

दरभंगा, नगर थाना क्षेत्र के लालबाग स्थित एक स्कूल में शिक्षक द्वारा छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाने के मामले में कल पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बाजितपुरमहदौली मोहल्ला निवासी लड़की के पिता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इसमें अश्लील वीडियो दिखाने वाले शिक्षक कुमार आनंद शंकर, प्रधानाध्यापक सुजित कुमार मिश्रा एवं स्कूल के सचिव को नामजद किया गया है। एसडीपीओ अनोज कुमार ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि पुलिस ने कल ही इस मामले में शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। मालूम हो कि लालबाग स्थित स्कूल में शिक्षक द्वारा कई छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाने को लेकर सोमवार को बवाल खड़ा हो गया था। स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर एसडीपीओ अनोज कुमार, एसडीओ राकेश गुप्ता, सदर सीओ सहित कई थाना की पुलिस पहुंची थी। लोगों के रोड़ेबाजी करने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। पुलिस ने स्कूल से आरोपित शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक को हिरासत में लेकर थाना ले आयी। उग्र भीड़ ने पुलिस जीप पर भी पथराव किया था। प्रशासन ने स्कूल को सील कर रखा है। मामले की जांच की जा रही है।

फर्जी मेडिकल कॉलेज चलाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पटना, नियमों की अनदेखी कर फर्जी मेडिकल कॉलेज चलाने वालों पर सीबीआई ने शिकंजा कसा है। आरा और मुजफ्फरपुर सहित देश भर के कई राज्यों में इस तरह के कॉलेज चल रहे हैं। पटना हाईकोर्ट के निर्देश के बाद सीबीआई ने प्रारंभिक जांच की।

मामला सही पाने के बाद 10 जुलाई को सीबीआई एसीबी पटना के एएसपी के भट्टाचार्य ने आरा व मुजफ्फरपुर के फर्जी काउंसिल और दो मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य और निबंधन विभाग के अज्ञात पदाधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसमें आरा की बाजार समिति, जगदेव नगर के काउंसिल ऑफ पेटेंट मेडिसिंस के चेयरमैन सह मेडिकल कॉलेज ऑफ पेटेंट मेडिसिंस के प्रिंसिपल डॉ गया प्रसाद निर्भय और मुजफ्फरपुर स्थित बैरिया, ओल्ड मोतिहारी रोड, शुभंकर नगर के जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ पेटेंट मेडिकल साइंस एंड हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ केबी श्रीवास्तव शामिल हैं।

पूरे मामले की जांच सीबीआई के डिप्टी एसपी ललित कुमार जायसवाल ने जांच की है। कुछ छात्रों ने हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच करने के आदेश दिये। सीबीआई इस आदेश को चुनौती दी और अपील की।

इसमें हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने सुनवाई की और अपील खारिज कर दी। आदेश दिया कि हाईकोर्ट की एकल पीठ में ही इसकी सुनवाई की जायेगी। कोर्ट ने कहा दिया कि सीबीआई जांच करे नहीं तो अदालती आदेश की अवमानना का मामला चलाया जायेगा। इसके बाद सीबीआई सक्रिय हुई और जांच में जुटी। 10 जुलाई को सीबीआई ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सिद्दीकी के आवास पर पुलिस का पहरा बड़ा सवाल - डॉ रामचंद्र पूर्वे

पटना, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के पटना दौरे के दौरान राजद नेता एवं पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी के आवास पर पुलिस तैनाती की राजद ने तीखी आलोचना की है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ रामचंद्र पूर्वे ने कहा कि कमान काटकर सिद्दीकी के आवास पर पुलिस की तैनाती की गयी है। इस रवैये से लोकतांत्रिक, संवैधानिक और संसदीय व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न खड़ा हो गया है। समाजवादी आंदोलन की उपज सिद्दीकी जैसे लोगों के यहां पहरा बैठाकर सरकार कौन सा संदेश देना चाहती है? राजद इसकी निंदा करता है। अमित शाह न राष्ट्र के मुखिया हैं और न सरकार के मुखिया हैं, फिर किस हैसियत से उनके स्वागत में सरकार की सारी मशीनरी को लगा दिया गया है। भाजपा के लोग अमित शाह का चेहरा चमकाने का प्रयास कर रहे हैं। बिहार से ही भाजपा के खात्में की शुरूआत होगी। प्रधान महासचिव आलोक कुमार मेहता ने कहा कि अमित शाह उन वादों के बारे में बताएं जिसे पिछले चुनावों में बिहार की जनता से किया था। पत्रकार सम्मेलन में प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन, डॉ उर्मिला ठाकुर, पटना महानगर अध्यक्ष महताव आलम, भाई अरुण, अरुण यादव आदि मौजूद रहे।

अपराधियों ने बैंककर्मी से नौ हजार रुपए लूटे

बक्सर, कल आयोजित क्राइम मीटिंग में थानाध्यक्षों को क्राइम कंट्रोल की पाठ पढ़ा रहे एसपी को अपराधियों ने जोरदार सलामी ठोंकी है। कल दिनदहाड़े एक बैंककर्मी से हथियारबंद अपराधियों ने लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। वारदात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चक्रहंसी नहर के समीप बाइक सवार चार अपराधियों ने हथियार के बल पर एक बैंक कर्मी से नौ हजार रुपये लूट लिये। साथ ही बैंक कर्मी के तीन मोबाइल फोन भी लूट लिये। बैंककर्मी लोन सत्यापन करने के बाद डुमरांव बाइक चालते हुए अकेले लौट रहे थे। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी बाइक सहित हथियार लहारते हुए फरार हो गये। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गयी। बैंक कर्मी ने घटना की सूचना मुफस्सिल थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गयी। बताया जाता है कि डुमरांव के रहनेवाले अमरेश द्विवेदी एचडीएफसी बैंक में लोन डिपार्टमेंट में काम करते हैं। वे किसी लोन के वेरिफिकेशन के लिए चक्रहंसी गांव गये थे। वेरिफिकेशन करने के बाद वे अपनी बाइक से घर डुमरांव लौट रहे थे।

आईआरबी भर्ती दौड़ में छह अभ्यर्थी बेहोश, एक की मौत

जमशेदपुर, आइआरबी की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान दौड़ में कल छह अभ्यर्थी बेहोश हो गये। सभी को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान अभ्यर्थी राजकुमार साव (बोकारो निवासी) की मौत हो गयी। चार अभ्यर्थियों का इलाज एमजीएम में और एक अभ्यर्थी का इलाज टीएमएच में चल रहा है। इलाजरत अभ्यर्थियों में सत्यजीत निराला, मिथुन सिंह (छपरा), चंदन मुंडा (रांची), राहुल उपाध्याय, सूर्यकांत हैं। सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी प्रभात कुमार जैप-6 पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सिदगोड़ा थाना प्रभारी ने एमजीएम अस्पताल पहुंचकर राजकुमार के शव का पंचनामा कराया और परिजनों को घटना की सूचना दी। सिदगोड़ा स्थित जैप-6 परिसर में दो जुलाई से आईआरबी-2 की शारीरिक परीक्षा चल रही है। कल दौड़ के दौरान राजकुमार के साथ चार-पांच अभ्यार्थी बेहोश होकर गिर गये। दो को उल्टी होने लगी। जैप-6 के जवानों ने सभी को एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने राजकुमार साव की स्थिति गंभीर बतायी और ऑक्सीजन लगाया। उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। इलाज के दौरान ही राजकुमार की मौत हो गयी। एमजीएम अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि अभ्यार्थी के बेहोश होने का कारण लू लगना और दम फूलना है। कभी-कभी दम ज्यादा फूलने और लू लगने से मौत भी हो जाती है।

फायरिंग मामले में आरोपी को १० साल की सजा

जमशेदपुर, कदमा गणेश पूजा मैदान के समीप डॉ पीके मिश्रा (प्रमोद कुमार मिश्रा) को गोली मारकर घायल करने के मामले में सीरियल क्राइम के आरोपी पंकज दूबे को एडीजे13 की अदालत ने दस साल की सजा सुनायी है। मामले के अन्य आरोपी कबीर को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। घटना 3 दिसंबर 2009 की है। कोर्ट में एपीपी एसके महतो ने बहस की। कोर्ट ने नौ जुलाई को पंकज दूबे को दोषी करार दिया था। गौरतलब है कि डॉ मिश्रा हर दिन की तरह उस दिन भी मार्निंग वॉक पर निकले थे। घर से कुछ दूर रहने वाली अपने परिचित महिला को वह फूल पहुंचाने जा रहे थे। इस बीच बाइक पर सवार होकर आये दो अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी और फरार हो गये। घायल डॉ मिश्रा को टीएमएच पहुंचाया गया। उन्हें लगी गोली को डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर निकाला। उन्हें टीएमएच के सीसीयू में रखा गया था। डॉ मिश्रा 31 जुलाई 2009 को टीएमएच से सेवानिवृत्त हो गये। पुलिस जांच में यह बात सामने आयी थी कि पंकज दूबे की कथित प्रेमिका डॉ पीके मिश्रा के यहां इलाज कराने गयी थी। उस दौरान डॉक्टर ने उसके साथ गलत हरकत की थी। यह जानकारी युवती ने पंकज दुबे को दी।

कोडीनार, मालिया में ८ इंच से अधिक बारिश

दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र में भारी बारिश का दौर जारी

भारी बारिश के चलते राज्य के अनेक इलाके जलमग्न अगले पांच दिनों के दौरान भारी बारिश की चेतावनी

सूरत। दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश जारी रही है। जिसके चलते बहुत से इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली। कई गांवो का संपर्क अब भी तूट गया है। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित इलाकों में भी पहुंचाया गया है। गुजरात में बारिश संबंधित अलग अलग घटनाओं में अबतक २२ लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के स्टेट ईमरजन्सी ऑपरेशन सेन्टर के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक आज सुबह पुरे हुए २४ घंटे में बहुत से इलाकों में भारी बारिश हुई है। राज्य के जिन इलाकों में अधिक बारिश हुई हैं उनमें जामकंडोरणा में ४ इंच, मालिया में ७ इंच, सूत्रपाडा में ६ इंच, कोडीनार में आठ इंच बारिश दर्ज हुई है।

गणदेवी और चीखली में ७-७ इंच बारी हुई है। गुजरात के ८२ तहसीलो में बारिश हुई है। डांग जिले के वधई तहसील में आठ इंच से अधिक बारिश हुई है। सोमनाथ जिला के कोडीनार में ८ इंच के आसपास बारिश दर्ज हुई है। नवसारी जिले के गणदेवी में सात इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। चीखली में ७ इंच से अधिक और अमरेली जिले के वाडीया में सात इंच से अधिक बारिश हुई है। तीन तहसील में सात इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है।

इसके अलावा भी राज्य के अलग अलग इलाको में भी उल्लेखनिय बारिश दर्ज हुई है। जलालपुर, बगसरा, खेरगांव, धरमपुर में ६ इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। पांच तहेसील में पांच इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। भारी बारिश के चलते लोग परेशान दिख रहे हैं। दक्षिण गुजरात और दक्षिण सौराष्ट्र के कई गांव जलमग्न दिख रहे हैं। शहर के कई ईलाके और मुख्य सड़के जलमग्न हो गई है। प्रशासन ने सभी कदम उठाये हैं। दक्षिण गुजरात के हालात को देखते हुए सभी जिलो में एनडीआरएफ की टीमे तैनात की गई है। अगले ४८ घंटे तक दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग ने बताया है कि अलगे पांच दिनों के दौरान दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के अधिकांश इलाको में भारी बारिश होगी।

वलसाड, दमण दादरा नगर हवेली, भरुच, नर्मदा, छोटाउदेपुर, बडौदा, आणंद, खेडा, पंचमहाल में भारी बारिश की चेतवानी जारी की गई है। इसके अलावा डांग, नवसारी, तापी, सुरत में भी भारी बारिश हो सकती है। गीर सोमनाथ में भी बारिश की संभावना है। पिछले २४ घंटो में गिरनार की पहाडीयों पर १७ इंच बारिश दर्ज की गई है।

रथयात्रा से पहले गोमतीपुर में से पिस्तोल, बम, बरामद

विस्फोटक चीजे मिलने से सनसनी फैली

पुलिस टीम ने जानकारी के आधार पर छापेमारी की

अहमदाबाद। भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा कल शनिवार के दिन निकलेगी तब शहर के संवेदनशील गोमतीपुर इलाके में एक बुटलेगर के घर में से आज पिस्तोल, पाइप बम, सुतली बम मिलने से सनसनी फैल गई। केरोसीन की बोतल समेत अन्य चीजवस्तुए भी बरामद की गई है। विस्फोटक मिलने से पुलिस तंत्र में भागदोड मच गई है। दुसरी ओर पुरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था रथयात्रा को लेकर पहले से ही मजबूत की जा चुकी है। जानकारी मिलते ही एफएसएल की टीम जांच करने के हेतु से पहुंची। विस्फोटक चीजवस्तु में पटाखे का पाउडर मिला होने की जानकारी दी गई है। पारिवारिक लडाई में किसी ने बुटेलगर के बारे में पुलिस को गलत जानकारी दिये जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। मिली जानकारी के आधर पर पुलिस टीम ने गोमतीपुर इलाके में राजपुर टोलनाका के निकट मोहंमद रफीक उर्फ गुड्डु नाम के बुटलेगर के मकान में छापेमारी की। पुलिस ने छत पर जांच करने के दौरान बम, सुतली बम, पिस्तोल और केरोसीन भरी हुई बोतल जब्त की है। गुड्डु और उसके परिवार के सदस्यों की गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस जांच में इस प्रकारनी जानकारी निकलकर आई है कि गुड्डु शराब के कारोबार से जुडा हुआ है। उसने कुछ सालो पहले एक युवक की हत्या भी की थी। गुड्डु पहले बुटलेगर हुसैन के अड्डे पर भी काम कर चुका है।

रथयात्रा के सभी रूट का निरीक्षण पुलिस कंट्रोल रूम के द्वारा किया जाएगा। जिसमें सीसीटीवी के साथ सभी विस्तार को जोडा गया है।

नर्मदा बांध में पानी की सतह १०९.९५ मीटर तक पहुंचा

अहमदाबाद। मध्यप्रदेश के आसपास के इलाको में भारी बारिश के चलते नर्मदा डेम में भी पानी की सतह में बढौतरी हुई है। राजपीलला के निकट केवडियो कोलोनी में नर्मदा बांध की सतह १०९.९५ तक पहुंच चुकी है। गुजरात की लाइफ लाइन समान गीनी जानेवाली नर्मदा डेम के उपरवास के इलाको में और मध्य प्रदेश में भारी बारिश के चलते नर्मदा डेम में पानी की नई आवक हुई है। डेम की सतह लगातार बढ़ रही है। इन दिनो नर्मदा डेम में ९६७४ क्युसेक पानी की आवक हुई है। जिसके चलते नर्मदा डेम की सतह अब बढ़कर १०९.९५ मीटर तक पहुंच गई है। डेम की सतह ११० मीटर तक पहुंच जाने के बाद आईडीपीटी टनेल बंध की जाएगी। इन दिनों डेम मे ३५९३.७७ एमसीएम पानी का संग्रह है। आज शाम तक नर्मदा डेम की सतह ११० मीटर तक पहुंचने की संभावना है। पिछले २४ घंटो में नर्मदा जिले में लगातार बारीश हुई है। नांदोद में २ इंच से अधिक बारिश हुई है। तिलकवाडा में ३ इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा गरुडेश्वर में ३ इंच से अधिक बारिश दर्ज हुई है। भारी बारिश के चलते नर्मदा में पानी की नई आवक हुई है और सरदार सरोवर डेम की सतह बढकर १०९.९५ मीटर तक पहुंच गई है। राजपीपला के निकट केवडिया कोलोनी में पानी की सतह बढने को लेकर स्थानिय लोगो में उत्सकता भी दिख रही है।

कलश व ध्वज यात्रा के साथ हुआ महायज्ञ का आरंभ

सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आपाढी गुप्त नवरात्री के पावन अवसर पर आयोजित सहस्त्रचंडी नव-कुंडीय हवनत्मक महायज्ञ का आरंभ शुक्रवार को किया गया।

इस अवसर पर सुबह 7 बजे से विशाल कलश एवं ध्वज यात्रा का आयोजन वी.आई. पी. रोड़ स्थित श्याम रचना अपार्टमेंट से किया गया। यात्रा में सैंकड़ों महिलाओं एवं पुरुष कलश एवं निशान लिए बाबा की जयकार करते हु बैण्ड बाजों के साथ श्री श्याम मन्दिर पहुंचे।

सुबह 10 बजे से पूजा विद्यान प्रारम्भ किया गया जिसमें मण्डप प्रवेश एवं देव-प्रतिष्ठा पूजन यजमान परिवारों द्वारा सुरेन्द्र जी महाराज एवं शुभ जी महाराज की देख रेख में किया गया। 21 जुलाई तक चलने वाले आयोजन में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से पूजा विद्यान एंव शाम 4 पजे से हवन आरती होगें।

भगवान जगन्नाथजी की ११७ रथयात्रा होगी

गुजरातभर में आज १६४ रथयात्रा निकाली जाएगी

सूरत। गुजरातभर में शनिवार के दिन अलग अलग जगहों पर रथयात्रा का आयोजन किया गया है। पुरे गुजरात में ३३ जिलो में रथात्रा निकाली जाएगी। रथयात्रा के अलावा शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया है। जहां अधिक श्रद्धालु जमा होंगे वहां की रथयात्रा पर विशेष नजर रखी जाएगी।

सभी जगह पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा चुकी है। गुजरातभर में अलग अलग इलाकों में १६४ से अधिक रथयात्रा और शोभायात्रा निकलेगी। भगवान जगन्नाथ की ११७, अन्य देवी देवताओं की ४७ समेत कुल मिलाकर १६४ रथयात्रा और शोभायात्रा निकाली जाएगी। १६ जिलो में बडी रथयात्रा निकाली जाएगी। १८ संवेदनशील रथयात्रा है। संवेदनशील

इलाकों में निकलने वाली रथयात्रा के संदर्भ में एसपी, डीवायएसपी स्तर के अफसरो की पसंदगी की गई है। उन्हे सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रथयात्रा देशभर में श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतिक समान बन चुकी है।

गुजरात के गृह विभाग की ओर से सुरक्षा को लेकर सभी इन्तजाम कर दिये गए है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के मार्गदर्शन में सभी उपाय किये गए है। कोई भी घटना न घटे इसके लिए भी आयोजन किया गया है। राज्य स्तर से लगातार मोनीटरींग की व्यवस्था की गई है। भावनगर जिले में कुल ११ रथयात्रा निकलेगी। जेसमें एक आईजी, डीआईजी, १५ डीवायएसपी, ३६ पीआई, ११० पीएसआई अफसरो की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तराह आणंज जिला में १५ रथयात्रा निकलेगी जिसमें आईडी, डीआईजी, डीवायएसपी, पीआई और पीएसआई को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य में १७ एसआरएफ की कंपनी स्डेन्ड बाय पर रहेगी।

जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के लिए पास कन्वीनटर हार्दिक पटेल भी पहुंचे। महंत के आशिर्वाद भी लिये।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com